मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया के स्कॉलर को मिली- इंडियन नॉलेज सिस्टम ऑफ़ ट्राइब्स पर रिसर्च के लिए प्रतिष्ठित कॉमनवेल्थ स्कॉलरशिप

नई दिल्ली, 1 दिसंबर, 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (JMI) के रिसर्च स्कॉलर श्री नितेश डोगने, जो ट्राइबल सर्कुलरिटी के इंडिजिनस नॉलेज सिस्टम टॉपिक पर पीएचडी कर रहे हैं, उन्हें प्रो. हिना ज़िया, प्रोफेसर और अध्यक्ष, योजना विभाग तथा प्रो. निसार खान, वास्तुकला विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली के सुपरविज़न में वर्ष 2025-26 के लिए प्रतिष्ठित कॉमनवेल्थ स्प्लिट-साइट स्कॉलरशिप मिली है।

कॉमनवेल्थ स्कॉलरशिप कमीशन (CSC), यूनाइटेड किंगडम द्वारा दी जाने वाली यह एक बहुत ही कॉम्पिटिटिव और पूरी तरह से फंडेड स्कॉलरशिप है जो दुनिया भर के कुछ काबिल रिसर्च स्कॉलर्स को दी जाती है। वर्ष 2024 में, 40 देशों में सिर्फ़ 57 स्कॉलर्स को यह अवॉर्ड मिला। इस अवॉर्ड के तहत नितेश एक वर्ष तक यूनिवर्सिटी ऑफ़ बाथ में अपनी रिसर्च जारी रखेंगे। उनके रिसर्च प्रपोज़ल को इस स्कॉलरशिप के लिए यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन, यूनिवर्सिटी ऑफ़ एडिनबर्ग, यूनिवर्सिटी ऑफ़ ग्लासगो और न्यूकैसल यूनिवर्सिटी ने भी चुना था।

प्रो. हिना ज़िया ने कहा कि यह रिसर्च इस बात की जांच करती है कि भील जनजाति पानी, एनर्जी, बायोमास और कचरे का इस्तेमाल कैसे सर्कुलर और लगभग ज़ीरो तरीके से करती है। उनकी इकोलॉजिकल समझ SDG 6 (साफ़ पानी) और SDG 7 (साफ़ एनर्जी) और (क्लाइमेट एक्शन 13) को पाने के लिए ज़रूरी जानकारी देती है, खासकर ग्लोबल साउथ में। प्रो. निसार खान ने कहा कि यह रिसर्च भील जनजातियों की पुरानी प्रथाओं का अध्ययन करती है, जो शहरीकरण के कारण गायब हो रही हैं। यह डॉक्यूमेंटेशन सस्टेनेबिलिटी पाने के लिए भारतीय नॉलेज सिस्टम को फिर से शुरू करने की नींव का काम करेगा। स्कॉलर और सुपरवाइज़र को बधाई देते हुए, जामिया मिल्लिया इस्लामिया के वाइस चांसलर प्रो. मज़हर आसिफ़ ने कहा कि यह स्कॉलरशिप न सिर्फ़ क्लाइमेट सॉल्यूशन में स्वदेशी ज्ञान को सबसे आगे रखती है, बल्कि जामिया मिल्लिया इस्लामिया और यूनिवर्सिटी ऑफ़ बाथ के बीच संबंधों को भी मज़बूत करती है।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के रजिस्ट्रार प्रो. महताब आलम रिज़वी ने देश के लिए ज़रूरी रिसर्च करने के लिए रिसर्च स्कॉलर और सुपरवाइज़र की सराहना की। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि ग्लोबल समस्याओं को हल करने के लिए दुनिया भर की यूनिवर्सिटीज़ के बीच रिसर्च कोलेबोरेशन को बढ़ाया जाना चाहिए।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी